सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग 'अ' – परिचय

कार्यक्रम –प्रमाण पत्र | कक्षा :स्नातक | वर्ष - प्रथम वर्ष | सत्र - 2025-26

विषय – वेद

1.	पाठ्यक्रम का कोड	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**वेद और भारतीय ज्ञान परम्परा**
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : Discipline Specific Elective (DSE)	**Multidisciplinary**
4.	पूर्वापेक्षा(Prerequisite) (यदि कोई हो तो)	ओपन फॉर ऑल
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्र विश्ववाङ्मय की सर्वप्राचीन भारतीय ज्ञाननिधि एवं परम्परा से परिचित होगा। 2. वेद का स्वरूप, अर्थ, महत्त्व, विभाग से अवगत होगा। 3. संहिताओं तथा ब्राह्मणग्रन्थों की विषयवस्तु एवम् उनमें अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान को जानेगा। 4. आरण्यक तथा उपनिषद् ग्रन्थों की विषयवस्तु एवम् उनमें अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान से परिचित होगा। 5. वेदाङ्ग तथा उपवेदों का सामान्य परिचय एवम् उनमें अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान से अवगत होगा।
6.	क्रेडिट मान	**03**
7.	कुल अंक	**100**

न्यूनतम उत्तीर्ण अंक **35**

व्याख्यान की कुल संख्या- 45

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1.	**वेद और भारतीय ज्ञान परम्परा।** **गतिविधि –** विद्यार्थियों द्वारा सन्दर्भ पुस्तकालयों का भ्रमण, मूल एवम् आलोचनात्मक ग्रन्थों का अवलोकन । विद्यार्थियों द्वारा कला-संस्कृति संग्रहालयों का भ्रमण। विद्यार्थियों हेतु वैदिक गुरुकुलों में प्रवास का आयोजन।	9

विद्यार्थियों हेतु पारम्परिक वैदिकों द्वारा वेदों की उच्चारण प्रक्रिया पर व्याख्यान का आयोजन।

2. **वेद का स्वरूप, अर्थ, महत्त्व, विभाग।** 15 9

गतिविधि – विद्यार्थियों द्वारा सन्दर्भ पुस्तकालयों का भ्रमण, मूल एवम् आलोचनात्मक ग्रन्थों का अवलोकन ।

विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों के आधार पर समूहचर्चा का आयोजन।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों के आधार पर रैखिक प्रतिनिरूपण का निर्मित करना ।

3. **संहिताओं तथा ब्राह्मणग्रन्थों की विषयवस्तु एवम् उनमें अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान।** 15 9

गतिविधि - विद्यार्थियों द्वारा सन्दर्भ पुस्तकालयों का भ्रमण, मूल एवम् आलोचनात्मक ग्रन्थों का अवलोकन ।

विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों के आधार पर समूहचर्चा का आयोजन।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों के आधार पर रैखिक प्रतिनिरूपण का निर्मित करना।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों पर आश्रित ज्ञान-विज्ञान प्रदर्शनी का निर्माण करना।

4. **आरण्यक तथा उपनिषद् ग्रन्थों की विषयवस्तु एवम् उनमें अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान।** 15 9

गतिविधि - विद्यार्थियों द्वारा सन्दर्भ पुस्तकालयों का भ्रमण, मूल एवम् आलोचनात्मक ग्रन्थों का अवलोकन ।

विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों के आधार पर समूहचर्चा का आयोजन।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों के आधार पर रैखिक प्रतिनिरूपण का निर्मित करना।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों पर आश्रित ज्ञान-विज्ञान प्रदर्शनी का निर्माण करना।

5. **वेदाङ्ग तथा उपवेदों का सामान्य परिचय एवम् उनमें अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान।** 15 9

गतिविधि - विद्यार्थियों द्वारा सन्दर्भ पुस्तकालयों का भ्रमण, मूल एवम् आलोचनात्मक ग्रन्थों का अवलोकन ।

विद्यार्थियों द्वारा कला- संस्कृति संग्रहालयों का भ्रमण।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित भाग के आधार पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
विद्यार्थियों हेतु वैदिक गुरुकुलों में प्रवास का आयोजन।
विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित वेद-भागों पर आश्रित ज्ञान-विज्ञान प्रदर्शनी का निर्माण करना।
विद्यार्थियों द्वारा वेधशालाओं , यज्ञशालाओं एवं भाषाप्रयोगशालाओं का अवलोकन।

सार बिन्दु (की वर्ड)/ टैग- वेद, ब्राह्मण, आरण्क, उपनिषद्, वेदाङ्ग, सूक्त, वैदिकज्ञान-विज्ञान।

भाग– 'स'अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें ,अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन पाठ्यसामग्री

1. उपाध्याय, आचार्य बलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, दुर्गा कुण्ड , वाराणसी ।
2. मुसलगाँवकर, शास्त्री डॉ. गजानन एवं शास्त्री डॉ. राजेश्वर, वैदिक साहित्य का इतिहास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
3. द्विवेदी, डॉ. कपिलदेव, संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, विजय कुमार रामनारायण लाल, 2 कटरा रोड, इलाहाबाद ।
4. मिश्र, आचार्य जगदीशचन्द्रः वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
5. गैरोला, वाचस्पति - वैदिक साहित्य और संस्कृति, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
6. द्विवेदी, कपिलदेव, वेदों में समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और शिक्षाशास्त्र, विश्वभारती अनुसंधान परिषद्, ज्ञानपुर ।
7. मेहरचन्द, सूर्यकान्त, वैदिक देवशास्त्र, लछमनदास, नई दिल्ली ।
8. तैलंग एवं चौबे, न्यू वैदिक सिलेक्शन, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1973 ।
9. द्विवेदी, कपिलदेव, वेदों में विज्ञान, विश्वभारती अनुसंधान परिषद्, ज्ञानपुर ।

1. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेबलिंक - ई-सोर्सेस,

- Vedic Sahitya Aur Sanskriti : Upadhyay Baldev.
  http://archive.org/details/in.ernet.dil.2015.345816/page/n3/mode/2upवेद
- Vedic Sahitya Ka Itihas : Dr.Rajkishor Singh
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.307738
- Vedic Sahitya Evam Sanskriti : Dr. Kapil Dev Dwivedi
  http:// archive.org/details/vedicsahityaevamsanskritidr.kapildevdwivedi/page/n7/mode/2up

ईपीजी पाठशालासंस्कृत,ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर , swayam.gov.in

अनुशंसित समक्ष लाइन पाठ्यक्रम: शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली ,केन्द्रीयतिरुपतिसंस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति

भाग – 'द' अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिकमूल्यांकन विधि ,साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि , वस्तुनिष्ठप्रश्न , लघुउत्तरीय

प्रश्न निर्माण

अधिकतम अङ्क –100 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)अंक : 100.

आकलन	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	**05 x 02 = 10**
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब):चार लघुप्रश्न(प्रत्येक 200 शब्द)	**05 x 06 = 30**
समय - 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500शब्द)	**02 x 30 = 60**